नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

सुरक्षा दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण फैसला

भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर एक ऐसा ऐलान किया है, जिसे न केवल एक तकनीकी सुधार, बल्कि जनविश्वास निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरगामी कदम कहा जाना चाहिए. केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा घोषित यह योजना- जिसके तहत देशभर की सभी ट्रेनों के डिब्बों और इंजनों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे- रेल यात्रा को न केवल अधिक सुरक्षित बनाएगी, बल्कि यह रेलवे प्रशासन की संवेदनशीलता और तत्परता का भी प्रमाण है. यह फैसला केवल यात्री सुविधाओं का विस्तार नहीं, बल्कि 'डिजिटल सुरक्षा' के युग में प्रवेश का स्पष्ट संकेत है. उत्तर रेलवे में किए गए सफल प्रायोगिक परीक्षण के बाद अब यह परियोजना मिशन मोड में देशव्यापी स्तर पर लागू की जा रही है.कुल मिलाकर 4 लाख से अधिक सीसीटीवी कैमरे, 74,000 यात्री कोच, और 15,000 लोकोमोटिव- ये केवल आंकड़े नहीं, बल्कि एक चौकस और जिम्मेदार रेलवे तंत्र की बुनियाद हैं. प्रवेश द्वारों, आवागमन गलियारों, और इंजन के सभी कोणों पर कैमरे लगाए जाएंगे, जो अब रेलवे को 'लापरवाही की पटरी' से हटाकर 'सतर्क निगरानी के ट्रैक' पर ले आएंगे.

इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता है- यात्रियों की निजता के प्रति संवेदनशीलता और तकनीक का विवेकपूर्ण प्रयोग. यह बात काबिले तारीफ है कि इन कैमरों को सीटों के पास या निजी स्थानों से दूर लगाया जाएगा, जिससे यात्रियों की गोपनीयता बनी रहेगी. वहीं, ये कैमरे 100 किमी प्रति घंटे से अधिक रफ्तार वाली ट्रेनों में भी उच्च गुणवत्ता वाली रिकॉर्डिंग कर सकेंगे. रेलवे की यह भी योजना है कि भविष्य में इन कैमरों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जोड़ा जाए ताकि संदिग्ध गतिविधियों की स्वचालित पहचान और अलर्ट संभव हो सके. इस महत्वाकांक्षी योजना के स्पष्ट उद्देश्य है. जहर खुरानी, चोरी, छेड़छाड़, और उत्पीड़न जैसी घटनाओं पर निगरानी से प्रभावी अंकुश लगेगा और अपराधियों की पहचान व गिरफ्तारी सुगम हो सकेगी .सीसीटीवी की सतत उपस्थिति अपने आप में एक निवारक प्रभाव डालेगी, जिससे महिलाएं अधिक सुरक्षित और आत्मविश्वास से भरी यात्रा कर सकेंगी. चाहे वह आग हो, चिकित्सा संकट या ट्रेन में कोई दुर्घटना— हर परिस्थिति में दृश्य प्रमाण अधिकारियों को तत्काल निर्णय लेने में सहायक होंगे .किसी भी घटना की निष्पक्ष जांच के लिए फुटेज निर्णायक सिद्ध होंगे, जिससे न केवल झूठे आरोपों से बचाव होगा, बल्कि जवाबदेही भी सुनिश्चित की जा सकेगी.

यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि यह पहल ट्रेन को अब केवल यात्रा का साधन नहीं, बल्कि एक गतिशील, जागरूक और तकनीकी रूप से समर्थ निगरानी प्रणाली में बदल देगी— जहां हर यात्री सुरक्षित है, और हर घटना भी दर्ज है. बेशक, इस पूरी योजना के क्रियान्वयन में तकनीकी और प्रशासनिक चुनौतियाँ होंगी. डेटा स्टोरेज, प्राइवेसी से जुड़े कानूनी मुद्दे, और मौजूदा रेलवे नेटवर्क में इन कैमरों का समावेश जैसी जटिलताएं रास्ते में आएंगी, लेकिन अगर इच्छाशक्ति सच्ची हो और उद्देश्य स्पष्ट, तो समाधान निकलना निश्चित है. पिछले कुछ वर्षों में रेलवे ने जिस प्रकार बुनियादी ढांचे, स्टेशन सुधार, और डिजिटल सेवाओं को प्राथमिकता दी है, वह यह दर्शाता है कि यह विभाग अब सिर्फ रेल नहीं चला रहा, बल्कि राष्ट्र को गति दे रहा है. दरअसल, यह भी ज़रूरी है कि इस पूरी प्रणाली को केवल 'सरकारी निगरानी' के रूप में न देखा जाए, बल्कि इसे 'साझा सामाजिक जिम्मेदारी' के तौर पर स्वीकार किया जाए. कुल मिलाकर इस निर्णय की जनभागीदारी से निगरानी एकतरफा नहीं रहेगी, बल्कि सहभागिता आधारित होगी- जहां ट्रेन में चढ़ते ही हर यात्री को यह विश्वास होगा कि अब हम अकेले नहीं हैं, देश की नज़र हमारे साथ है.

नीति आयोग की मानव पूँजी से संबंधित क्रांति

राव इंद्रजीत सिंह

> ज्ञान अर्थव्यवस्था के रूप में भारत का उदय अब कोई दूर का सपना नहीं रह गया है—यह जनता को राष्ट्र की सबसे बड़ी संपत्ति मानने वाली नीतियों के जरिए संचालित एक प्रगतिशील कार्य बन चुका है. नीति आयोग ने विकास के इर्द-गिर्द के विमर्श को ऊपर उठाते हुए हमें याद दिलाया है कि सच्ची प्रगति गगनचुम?बी इमारतों या सबसे बड़े कारखानों से नहीं, बल्कि जनता की ताकत, स्वास्थ्य और गरिमा से मापी जाती है. ऐसा करके, यह महज एक थिंक टैंक से कहीं बढ़कर बन गया है. यह युवा, महत्वाकांक्षी भारत— एक ऐसे भारत की धड़कन बन गया है जो सपने देखता है, हिम्मत करता है और कर्म करता है. और इस कहानी के केंद्र में वह शांत विश्वास है कि जब आप लोगों में निवेश करते हैं, तो आप केवल एक बेहतर अर्थव्यवस्था का ही नहीं, बल्कि एक बेहतर राष्ट्र का भी निर्माण करते हैं.

भारत जैसे विशाल और वैविध्यपूर्ण देश में प्रगति का वास्तविक पैमाना केवल जीडीपी के आँकड़ों या बुनियादी ढाँचे की उपलब्धियों में नहीं, बल्कि इस बात में निहित है कि वह देश अपनी जनता का कितने बेहतर ढंग से पोषण करता है. मानव पूँजी—हमारी शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और उत्पादकता— केवल एक आर्थिक संपत्ति ही नहीं, बल्कि नैतिक अनिवार्यता भी है. पिछले दस वर्षों में, भारत के प्रमुख नीतिगत थिंक टैंक-नीति आयोग के नेतृत्व में एक शांत लेकिन प्रभावशाली क्रांति ने आकार लिया है, जिसने देश द्वारा अपने सबसे महत्वपूर्ण संसाधन, यानी अपने नागरिकों, में निवेश करने के तरीके को नए आकार में ढाला है.

एक ऐसे देश में जहाँ 65 प्रतिशत से ज़्यादा आबादी 35 साल से कम उम्र वाले लोगों की है, तो वह जनसांख्यिकीय लाभांश बेहद दुर्लभ अवसर प्रस्तुत करता है. लेकिन इस युवा आबादी का विशाल आकार अपने साथ एक बड़ी ज़िम्मेदारी भी लेकर आता है. प्रमुख चुनौती इस युवा ऊर्जा को आर्थिक विकास और राष्ट्रीय विकास की शक्ति में रूपांतरित करना है. यहीं पर नीति आयोग एक दूरदर्शी उत्प्रेरक के रूप में उभरा है - जो न केवल आज की प्रगति, बल्कि भविष्य की समृद्धि का भी रोडमैप तैयार कर रहा है.

पिछले एक दशक में, नीति आयोग एक थिंक टैंक से एक सुधारवादी साधन और कार्यान्वयन भागीदार के रूप में विकसित हुआ है, जो आँकड़ों, सहयोग और मानव-केंद्रित डिज़ाइन द्वारा समर्थित साहसिक विचारों के लिए जाना जाता है. इसने नीति-निर्माण को एक शीर्ष-स्तरीय प्रक्रिया से राज्यों, निजी क्षेत्र, वैश्विक संस्थानों और सामाजिक संगठनों के साथ सह-निर्माण की गतिशील प्रक्रिया में बदल दिया है. इसकी ताकत केवल योजना बनाने में ही नहीं, बल्कि संज्ञान लेने और उन अवधारणाओं को अमली जामा पहनाने में भी निहित है.

इसके मार्गदर्शन में मानव पूँजी की आधारशिला-शिक्षा की पूर्णतया नए सिरे से परिकल्पना की गई है. नीति आयोग ने इस बात को स्वीकार करते हुए कि केवल पहुँच ही पर्याप्त नहीं होती, गुणवत्ता और न्यायसंगतता पर ज़ोर दिया. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, जहाँ नीति आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही, ने —रटंत शिक्षा से आलोचनात्मक चिंतन, लचीलेपन और व्यावसायिक एकीकरण का रुख करते हुए एक नए युग का सूत्रपात किया. इसने प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा, मातृभाषा में शिक्षण और विषयों के बीच निर्बाध परिवर्तन पर ज़ोर दिया. इसने देश भर में मौजूद 10,000 से अधिक अटल टिंकरिंग लैब्स में नवाचार को समाहित करते हुए अटल नवाचार मिशन जैसी पहलों के माध्यम से जवाबदेही और कल्पनाशीलता दोनों को सुनिश्चित किया.

भारत के युवाओं को 21वीं सदी के लिए कुशल बनाना इसके मिशन का एक और आधार रहा है. कौशल भारत मिशन को समर्थन देने से लेकर आकांक्षी जिला कार्यक्रम के माध्यम से वंचित जिलों के महत्वपूर्ण भाग तक व्यावसायिक कार्यक्रमों की पहुँच सुनिश्चित करने तक, नीति आयोग ने कक्षा और करियर के बीच की खाई को पाटने में मदद की है. कौशल भारत मिशन के तहत, 1.5 करोड़ से ज़्यादा युवाओं को तकनीक, उद्योग संबंधों और माँग-आधारित पाठ्यक्रमों के सम्मिश्रण वाली पहलों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है. इसने महज प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए ही प्रशिक्षण नहीं दिया—अपितु इसने क्षेत्रीय ज़रूरतों का आकलन किया और भारत के ग्रामीण और शहरी दोनों ही तरह के युवाओं के लिए वास्तविक आर्थिक संभावनाओं के द्वार खोलने वाले कार्यक्रम तैयार किए. इसके साथ ही साथ, इसने गतिशील, समावेशी श्रम बाज़ार का समर्थन किया.

(लेखक सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); योजना और संस्कृति राज्य मंत्री हैं)

संपर्क भाषा से मराठी को कैसा खतरा?

सामाजिक व्यवहार का प्रमुख आधार संपर्क भाषा ही होती है. जिसके जरिए विचारों की यात्रा होती है. महाराष्ट्र के प्राथमिक विद्यालयों में त्रिभाषा सूत्र के अंतर्गत हिंदी की अनिवार्यता का मुद्दा तो राज्य सरकार ने हल कर दिया, लेकिन हिंदी बोलने को लेकर एक व्यक्ति की पिटाई से इस विवाद का रूप बदल गया. मुंबई में हिंदी भाषा का विरोध करने वाले इसे मराठी अस्मिता और पहचान के लिए खतरा बताते हैं. अपने प्रांत की अस्मिता बचाए रखना हर एक का कर्तव्य होना चाहिए. लेकिन संपर्क भाषा के रूप में बोली जा रही हिंदी से महाराष्ट्र को किस तरह और कितना नुकसान हुआ है? पिछले साल ही केंद्र सरकार ने मराठी भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया. इससे स्पष्ट है कि मराठी भाषा काफी सशक्त, समृद्ध और प्राचीन है. इसकी विरासत अप्रतिम रूप में गौरवशाली रही है. फिर संपर्क भाषा के रूप में हिंदी के व्यवहार से मराठी भाषा के अस्तित्व पर संकट कैसे आ सकता है? देश के स्वतंत्रता आंदोलन के समय हिंदी पूरे देश को जोड़ने का माध्यम रही और आज भी पूरे देश में संवाद करने के लिए हिंदी का कोई विकल्प नहीं है. क्योंकि 2011 की जनगणना के अनुसार देश में बोली जाने वाली भाषाओं में दूसरे नंबर पर बांग्ला 8.03 प्रतिशत और तीसरे स्थान पर मराठी 6.86 प्रतिशत हैं. ये दोनों भाषाएं हिंदी 43.63 प्रतिशत से काफी पीछे हैं. प्राथमिक विद्यालयों में हिंदी पढ़ाने की अनिवार्यता के परिणामों की अनुकूलता-प्रतिकूलता की बात तो समझी जा सकती है. लेकिन दो विभिन्न भाषी लोगों के बीच संपर्क भाषा के रूप में हिंदी के प्रयोग से मराठी संस्कृति पर आघात का तर्क समझ पाना मुश्किल है. महाराष्ट्र की सबसे प्रमुख सांस्कृतिक पहचान गणेशोत्सव आज पूरे भारत में फैल चुका है. इस सांस्कृतिक विस्तार के वाहक न तो तो हिंदी का विरोध करने वाले दल रहे, न ही महाराष्ट्र की सरकार. अब लखनऊ में भी गणपति पूजा के दौरान गणपति बाप्पा मोरया की गूंज सुनाई देती है. ऐतिहासिक संदर्भों में छत्रपति शिवाजी महाराज का भव्य स्मारक यूपी और हरियाणा में वहां की सरकारों के सहयोग से बनाया जा रहा है.

- अश्वनी राय

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

मालवा- निमाड़ की डायरी

बुरहानपुर में कांग्रेस संगठन चुनाव की निकली हवा

संजय व्यास

बुरहानपुर में कांग्रेस संगठन चुनाव की हवा निकल गई. बीते दिनों कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के तहत दिल्ली से भेजे गए पर्यवेक्षक जिले के कार्यकर्ताओं, दावेदारों के बीच रायशुमारी- वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठकें करके गए थे. पदाधिकारियों के चयन के लिए अनुसंशा के साथ रिपोर्ट भी तैयार कर ली गई थी. स्थानीय कांग्रेस आलाकमान की घोषणा का इंतजार कर रहा था, इस बीच कांग्रेस संगठन चुनाव के लिए दिल्ली से भेजे गए चुनाव पर्यवेक्षक कुणाल पाटिल महाराष्ट्र में भाजपा का दामन थाम बैठे. बुरहानपुर कांग्रेसियों की मेहनत पानी में चली गई, क्योंकि बताया जा रहा है कि पाटिल के कांग्रेस छोडने के बाद उनकी रिपोर्ट को रद्दी की टोकरी में डाल दिया गया है.

अब संगठन चुनाव के लिए दिल्ली से आलाकमान द्वारा नए संगठन पर्यवेक्षक चेतन चौहान को पुन: बुरहानपुर भेजा गया है. पूर्व संगठन पर्यवेक्षक कुणाल पाटिल द्वारा संगठन चुनाव को लेकर तैयार की गई रिपोर्ट पर नए पर्यवेक्षक चेतन चौहान ने कहा की उनके जाते ही वह रिपोर्ट भी चली गई और अब नए सिरे से होगी रायशुमारी. इस स्थिति में बुरहानपुर कांग्रेस में फिर नए सिरे से जोड़-तोड़ प्रारंभ हो गई है तथा जिला अध्यक्ष ग्रामीण एवं शहर को लेकर दावेदारी कर रहे 10 से अधिक वरिष्ठ एवं युवाओं की संगठन चुनाव को लेकर जोर आजमाइश जारी है.

चुनाव से पहले मिल गई सीख

कांग्रेस पर्यवेक्षक चेतन चौहान ने संगठन चुनाव के पहले बुरहानपुर कांग्रेस में व्याप्त गुटबाजी पर लंबा-चौड़ा भाषण दे दिया. रायशुमारी के लिए पहुंचे कांग्रेस नेताओं को स्थानीय संगठन की मजबूती के लिए गुटबाजी पर अंकुश लगाने का सबक सिखाया. चेतन चौहान ने सभी कांग्रेस नेताओं से गुटबाजी समाप्त कर जनता की लड़ाई सडक़ पर आकर जनता के बीच लडने का मंत्र देते हुए कहा पदाधिकारी कोई भी बने जनमानस में जगह बनाए बिना कांग्रेस की पैठ नहीं बन सकती.

इसके लिए एकजुटता के साथ मैदान में दिखना जरूरी है. उल्लेखनीय है कि जय हिंद यात्रा के दौरान यात्रा प्रभारी ग्यारसीलाल रावत, अल्पसंख्यक नेता डॉ. फरीद काजी और कांग्रेस जिलाध्यक्ष रिंकू टांक आपस में भिड़ लिए थे.

मुख्य चिकित्सा अधिकारी व पंचायत सदस्य आमने -सामने

मंदसौर जिला पंचायत की साधारण सभा में स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर उठाए हए सवाल और अनियमितता के आरोपों पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ गोविंद सिंह चौहान व जिला पंचायत सदस्य आमने -सामने हो गए हैं. जहां डॉ. चौहान ने अटैचमेंट, अनुकंपा नियुक्तियों में वसूली, अयोग्य की पदस्थापना, आयुष्मान योजना में धांधली पकड़े जाने के बाद भी संबंधित पर कार्रवाई न करने जैसे आरोपों को निराधार व भ्रामक बताते हुए तथ्यात्मक जवाब दिए. वहीं जिला पंचायत की बैठक में जिला पंचायत के कुछ सदस्य बैठक का बहिष्कार कर और भी कई गंभीर आरोप लगाए हैं. सदस्यों ने इस मामले में भाजपा व कांग्रेस की निष्क्रयता को लेकर दोनों दलों को भी आड़े हाथ लिया. उक्त पंचायत सदस्यों ने स्वास्थ्य विभाग पर निजी चिकित्सकों-अस्पतालों को फायदा पहुंचाने के कारनामे की बात भी रखते हुए कहा कि डिलेवरी से लेकर एक्सीडेंट के छोटे बड़े केस मे शामगढ़ से लेकर गरोठ और भानपुरा के हॉस्पिटल आज रेफर हॉस्पिटल के नाम से मशहूर हैं.

निशानेबाज

रिटायरमेंट के बाद का प्लान वाह-वाह प्राकृतिक खेती करेंगे अमित शाह

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, आपने देखा होगा कि सत्ता से चिपकने के बाद कोई नेता अपना रिटायरमेंट प्लान नहीं बताता लेकिन केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह इसके अपवाद हैं. उन्होंने कहा है कि रिटायरमेंट के बाद अपना जीवन वेद, उपनिषद के अध्ययन और प्राकृतिक खेती करने में बिताएंगे.

हमने कहा, वेद, उपनिषद और धर्मग्रंथों के अध्ययन का विचार बहुत अच्छा है. भीमसेन जोशी डों ने गाया था जो हरि को भजे, वही परम पद पाएगा! चूंकि अमित शाह सहकारिता व मंत्री हैं इसलिए संभवत: सहकारी खेती या को-आपरेटिव फार्मिंग करेंगे. प्राकृतिक खेती करते समय प्रकृति के सानिध्य में रहेंगे और गुनगुनाएंगे- मेरे देश की धरती सोना उगले, उगले हीरे मोती !

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, जमीन से जुड़े राजनेता की पहचान है कि वह खेती में रुचि रखता है. पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का भी दिल्ली के समीप मेहरोली में कृषि फार्म था. केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की भी धापेवाड़ा गांव में

खेती है जहां उनकी पत्नी कंचन गडकरी ने आर्गेनिक खेती करके 1-1 किलो वजन के बड़े-बड़े प्याज उगाए हैं जिसे देखकर लोग आश्चर्य में पड़ जाते हैं. यह भी दावा किया गया है कि श्रीसूक्त जैसे मंत्र को श्रद्धापूर्वक पढ़ने से फसल पर अनुकूल असर पड़ता है.

हमने कहा, यदि ऐसी बात है तो महाराष्ट्र के हजारों किसान आत्महत्या क्यों करते हैं? उन्हें रासायनिक खाद का इस्तेमाल बंद कर गोबर खाद, कंपोस्ट, केंचुआ खाद का उपयोग करते हुए अच्छे बीज बोकर प्राकृतिक खेती करनी चाहिए. साथ में मंत्रशक्ति को भी आजमा कर देखना चाहिए. आर्गेनिक फसलों व मोटे अनाज या मिलेट के भाव भी अच्छे मिलते हैं. डॉक्टर भी सलाह देते हैं कि गेहूं-चावल की बजाय ज्वार, बाजरा, मक्का, रागी खाओ.

पड़ोसी ने कहा, अमित शाह ने कहा कि उनके खेत में नेचुरल फार्मिंग होती है जिसमें लगभग डेढ़ गुना बढ़ोतरी हुई है. प्राकृतिक खेती के लिए एक गाय ही काफी है. इसके गोबर से तैयार खाद से 21 एकड़ की खेती की जा सकती है. शाह ने बताया कि उनके गांव का हर किसान परिवार साल में 1 करोड़ से ज्यादा कमाता है.

हमने कहा, तब तो महाराष्ट्र के किसानों को अमित शाह से ऐसी कमाई वाली खेती का रहस्य पूछना चाहिए. जो लेखक व पत्रकार कागज के खेत पर कलम का हल चलाकर स्याही से सींच कर शब्दों की खेती करते हैं, उन्हें भी अमित शाह से खेती-किसानी की प्रेरणा मिल सकती है.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11963 - डॉ. सागर खादीवाला

1	2		3	■	4	5	6
7		■	8				
	■	9		■	■		■
■	10				11	■	12
13			■	■	14		
15			16	17	■	■	
	■	■	18		19	20	
21			■	22			

रक्षाबंधन का डोरा 9. वह ग्रंथ जिसमें राम के चरित्रों का वर्णन हो 10. कटि 11. और, व 12. टालमटोल 13. वास्तव में, वस्तुत:, अवश्य 16. एक प्रकार की विदेशी मदिरा 17. जन्मदाता 19. मयूर 20. बर्फ, पाला

बाएं से दाएं
1. मनुष्य के मृत शरीर को जलाने की क्रिया 4. सहारा, भरोसा 7. केशलता 8. जोहरी 9. नृप, नरेश 10. कमा कर लाने वाला पुत्र 13. वक्त, काल 14. गिरने न देना, ग्रहण करना, रोकना 15. पैर की धूल 18. मन को मोह लेने वाली 21. खाल, त्वचा, छाल 22. कार्य, भाग्य, कृपा

ऊपर से नीचे
1. पतंगा 2. बरगद 3. हर किसी से अनुचित प्रेम संबंध स्थापित करने वाला, व्यभिचारिणी (उर्दू) 4. अस्तित्व, होशहवास 5. सिंह 6.

Solution 11962

सु	ष	मा	स्व	रा	ज	■	का
गं	डा	■	ज	ग	म	गा	ना
ध	न	वा	न	■	ना	■	फू
■	न	र	■	ना	■	दा	सी
अ	■	द	रो	म	दा	र	■
दा	व	त	ना	मा	■	■	सु
ल	त	■	■	त्र	यो	द	शी
त	न	सु	ख	■	ग	म	ला

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में आर्थिक योजनाओं में सुधार होगा, मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, वर्ष के मध्य में भाईयों के सहयोग से शत्रु पक्ष परास्त होगा, वाहन पशु आदि से लाभ होगा, आर्थिक क्षेत्र में कमी केकारण योजनायें वाधित होंगी, परिश्रम की अधिकता रहेगी, प्रियजनों के कारण कार्यों में हानि हो सकती है.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों का वाहन पशु आदि का लाभ प्राप्त होगा, भाईयों के सहयोग से शत्रु पक्ष परास्त होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को आर्थिक योजनाओं में वृद्धि होगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी,मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को वाणी कठोरता केकारण विवादों का सामना करना पड़ सकता है, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को आर्थिक कार्यों में योजनायें वाधित होंगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को आर्थिक मामलों में सावधानी रखकर कार्य करना हितकर रहेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को यात्र में हानि हो सकती है.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ्य शांतिप्रिय, होगा. अपने कार्यो के प्रति सजग रहने वाला न्यायप्रिय ईमानदार होगा. कला और साहित्य आदि में विशेष लगाव रहेगा. धार्मिक आस्था अच्छी रहेगी. जीवन में सुखी रहेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

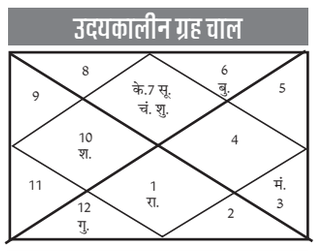

पंचांग

रा.मि. 24 संवत् 2082 श्रावण कृष्ण पंचमीं भौमवासरे रात 9/58, शतभिषा नक्षत्रे प्रात: 6/49, सौभाग्य योगे दिन 3/14, कौलव करणे सू.उ. 5/17 सू.अ. 6/43, चन्द्रचार कुम्भ रात 12/6 से मीन, शु.रा. 11,1,2,5,6,8 अ.रा. 12,3,4,7,9,10 शुभांक- 4,6,0.

त्यापार भविष्य

श्रावण कृष्ण पंचमीं को शतभिषा नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, स्टील, जौ, गेहूँ, ज्वार के भाव में नरमी का रूख रहेगा. गुड़ खांड, शक्कर, सरसों, अरंडी, के भाव में नरमी रहेगी. उसके बाद तेजी का योग है. भाग्यांक 3721 है.

मेष- युवाओं का ध्यान मौज मस्ती पर रहेगा. खानपान की गड़गड़ी से सेहत बिगड़ेगी. संयम रखकर कार्य करें. व्यर्थ के विवाद से बचें. निजी कार्यो की रूपरेखा बनेगी.

वृषभ- पारिवारिक योजनाओं में बढ़ चढकर हिस्सा लेंगे. लक्ष्य प्राप्ति के विशेष प्रयत्न आवश्यक है. व्यापार व्यवसाय में सावधानी रखें. व्यर्थ के विवाद से बचें.

मिथुन- धार्मिक कार्यो में आस्था बढ़ेगी. पिछले अनुभवों से सबक लेकर रावणे बढ़े. सतर्कता से कार्य करें. कामकाज पूरा होगा. नवीन योजना बनेगी.

कर्क- किसी कार्य को लेकर मन में दुविधा रहेगी. अधिकारी वर्ग खुश रहेगा. शिक्षा संतान के कार्य में सफलता मिलेगी. अनायास शुभ प्रसंग सामने आ सकता है.

सिंह- मित्रों से किया वादा पूरा न करने का मलाल रहेगा, आय में बढ़ोत्तरी के आसार हैं. लोकप्रियता में वृद्धि होगीं . आवश्यक वस्तुओं की प्राप्ति होगी. यात्रा आनन्दमय रहेगी.

कन्या- अचानक नई परेशानियां हैरान कर सकती हैं. विरोधियों से सतक्र रहकर कार्य करें. धार्मिक यात्रा का प्रोग्राम बन सकता है. नजदीकी सहयोग मिलेगा.

तुला- मनमौजी सोच आपके लिये नुकसानदायक हो सकती है. पारिवारिक विवादों को टालें. स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें. रोजगार की प्राप्ति होगी.

वृश्चिक- सपने साकार करने का समय है, परिश्रम की कटौती न करें. अड़चने धीरे धीरे सुलझेंगी. विलासिता की वस्तुओं का संग्रह होगा. प्रिय व्यक्ति से भेंट होगी.

धनु- कार्य की दृष्टि से खुद को पहिले से अधिक चुस्त दुरूस्त महसूस करेंगे. परिश्रम अधिक करना होगा, नया खर्च सामने आ सकता है.

मकर- रूका हुआ धन मिलने के आसार हैं, कार्यक्षेत्र में नई चुनौतियों का सामना करना पडेगा. आर्थिक समस्या का समाधान होगा.

कुम्भ- वैवाहिक चर्चाओं में सफलता मिलने से युवा वर्ग उत्साहित रहेगा. नौकरी में तरक्की होगी. माता पिता के सहयोग से समस्याएं हल होंगीं.

मीन- महत्वपूर्ण कार्य शुरू करने में देरी से लाभ मिलना मुश्किल है. मांगलिक कार्य बनेगा. सुख वैभव ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी. निजी पुरूषार्थ बना रहेगा.

SUDOKU 7095

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7094

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5